साई की पालकी | by Anita Sharma

पालकी में सजकर बैठे मेरे साई बाबा
पालकी में .....
पालकी में सजकर बैठे मेरे साई बाबा
चलो पालकी उठाओ नहीं देर तुम लगाओ
मेरे साई दरबार, साई दरबार
पालकी में सजकर बैठे मेरे साई बाबा
पालकी में .....

क्या कहूँ मैं मुख से अपने शोभा वरणी ना जाए हो
देख पालकी ब्रह्मा विष्णु शिव का मन हर्षाये हो
नारद शारद करें आरती वीणा मधुर बजाये हो
सोने और चांदी से बनी है ये पालकी
सोने और चांदी.....
पालकी में सजकर बैठे मेरे साई बाबा
पालकी में .....

इतना प्यारा रूप साईं का नज़र नहीं लग जाए हो
लूण और राई से नज़ारा उतारूं काला टीका लगाए हो
जूही चमेली फूल गुलाब से महक रहा दरबार हो .....
पालकी में सजकर बैठे मेरे साई बाबा
पालकी में .....

बच्चे बूढ़े और नर नारी आये हैं शिरडी के धाम हो
उठा पालकी काँधे ऊपर ले साईं का नाम हो
कट जाए सारे पाप के बंधन साई करें कल्याण हो
राम लाल सोनी काँधे धर के पालकी
राम लाल सोनी .....
पालकी में सजकर बैठे मेरे साई बाबा
पालकी में .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%88-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%95%e0%a5%80-by-anita-sharma/